ई संदेश

15 जनवरी, 2026 | अंक -188

सात दिन सात पृष्ठ

गोरखपुर महोत्सव में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते मुख्यमंत्री जी

- भारत ने हमेशा तथ्य एवं प्रमाण के साथ अपनी बात को सामने रखा : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री जी के सशक्त नेतृत्व में उ0प्र0 ने अपनी पहचान बदली : रक्षामंत्री
- सही दिशा, भरोसे और समावेशन के साथ ए0आई0 स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सटीक और न्याय संगत तरीके से आगे बढ़ा सकता है: मुख्यमंत्री
- स्वामी विवेकानन्द ने वैश्विक मंच पर भारत की सनातन संस्कृति, उसकी आध्यात्मिक चेतना और बौद्धिक प्रतिभा से परिचित कराने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया : मुख्यमंत्री
- 'प्रगति' पोर्टल नये भारत की नयी कार्य संस्कृति का उदाहरण : मुख्यमंत्री
- महोत्सव हमारे सामाजिक तथा व्यापारिक जीवन की विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का एक आधार होते हैं: मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में माघ मेला-2026 के आगामी स्नान पर्वों की तैयारियों की समीक्षा की 'मेला सेवा ऐप' लॉन्च किया

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

भारत ने हमेशा तथ्य एवं प्रमाण के साथ अपनी बात को सामने रखा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 08 जनवरी, 2026 को लखनऊ में 'प्रारम्भिक उत्तर भारत और इसके सिक्के' पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह पुस्तक कोई सामान्य पुस्तक नहीं, बल्कि दुनिया की आंखों को खोलने का एक दस्तावेज है। इस दृष्टि से पुस्तक विमोचन का यह कार्यक्रम अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत ने हमेशा तथ्य एवं प्रमाण के साथ अपनी बात को सामने रखा है। जबकि पाश्चात्य विचारकों को 2,000 वर्ष पुरानी किसी बात की जानकारी नहीं है। इस पुस्तक ने ढाई हजार वर्ष की विरासत को हमारे सामने रखा है। इससे वर्तमान पीढ़ी को यत्र तत्र बिखरे हुए सिक्कों को समझने की प्रेरणा प्राप्त होगी। हिंदुजा फाउण्डेशन ने 34,000 से अधिक सिक्के भारत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को वर्तमान पीढ़ी के सामने एक बेहतरीन प्रमाण के साथ प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हिंदुजा फाउण्डेशन द्वारा यहां प्रदर्शनी में रखे गए यह तांबे, चांदी व मिश्रित धातु से बने सिक्के वर्तमान पीढ़ी को 25,000 वर्ष पुरानी विरासत का प्रमाण हैं और हमारी दुर्लभ धरोहर हैं। यह सिक्के उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं, जो अयोध्या, काशी, मथुरा, कौशांबी सहित षोडश महाजनपदों और मौर्य काल, गुप्त काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को प्रतिबिम्बित करते हैं। साथ ही, उस समय की मापक पद्धति को जानने का भी एक बड़ा अवसर प्रदान करते हैं। मनु ने सर्वप्रथम माप व तौल का एहसास दुनिया को कराया था। सिक्कों के मापन भी उसी रूप में बनाए गए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाभारत में उल्लेख है कि 'दुर्लभं भारते जन्म मानुष्यं तत्र दुर्लभम्' अर्थात भारत में जन्म लेना दुर्लभ है और उसमें भी मनुष्य के रूप में जन्म लेना और भी दुर्लभ है। जबकि पश्चिमी विद्वान इस बात का दुष्प्रचार करते रहे हैं कि भारत एक इकाई नहीं है। वर्ष 1947 में इस दुष्प्रचार का भुक्तभोगी भारत बना। जब भारत के दो अभिन्न हिस्से उससे अलग कर दिए गए। उस समय भारत को कमजोर करने के लिए अनेक साजिशें रची गई, लेकिन भारत ने इनका जोरदार प्रतिकार किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भी पश्चिम के लोग यह मानते हैं की दुनिया को लोकतंत्र उन्होंने दिया जबकि हमारे यहां भारतवर्ष में वैशाली गणराज्य अपने आप में लोकतंत्र की आधारशिला रखने वाले प्रारम्भिक गणराज्यों में से एक था। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जी-20 समिट के दौरान इस बात को पूरी मजबूती के साथ कहा था कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। यदि किसी को लोकतंत्र के बारे में जानना है, तो उसे भारत से सीखना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह सिक्के भारत की सनातन परम्परा को व्यक्त करते हैं, जिसने जियो और जीनो दो पर विश्वास किया। दुनिया की ऐसी कौन सी जाति, मत, मजहब, सम्प्रदाय है जिसको उसकी विपत्ति के समय हम भारतीयों ने शरण देकर फलने-फूलने और आगे बढ़ने का अवसर न दिया हो। 'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्, उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्' की घोषणा दुनिया में केवल भारत ही कर सकता है, दूसरा कोई देश नहीं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मौर्यकाल भारत का स्वर्ण युग था। उस कालखंड में दुनिया की इकोनॉमी में भारत का हिस्सा 46 प्रतिशत था और यह 15वीं सदी तक यह हिस्सेदारी 24 प्रतिशत थी। उसके बाद के कालखंड में भारत की धरोहर को लूटा गया। आजादी के समय दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी मात्र डेढ़ से दो प्रतिशत रह गयी थी। आज हम सभी प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिनके प्रयासों से भारत को दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफलता प्राप्त हुई है। इकोनामी तब ग्रोथ करती है, जब उसे सुरक्षा व विकास अनुकूल वातावरण प्राप्त होता है। इसके लिए सरकार व समाज दोनों का भी समान दायित्व बनता है। सभी लोग जब मिलकर प्रयास करते हैं तो उसे प्रकार की स्थितियां पैदा होती हैं। आज हम उस दिशा में आगे बढ़े हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति हर भारतवासी कर सके इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने देश के सामने विजन 2047 रखा है। विजन 2047 का उद्देश्य पंचप्रण व 11 संकल्पों के साथ हर भारतवासी को जोड़ना है। पंचप्रण में पहला प्रण विरासत पर गौरव की अनुभूति करना है। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर तथा काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण प्रधानमंत्री जी के इस विजन का परिणाम हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की वैदिककालीन, रामायण व महाभारत कालीन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़ी हुई धरोहरों को संरक्षित करना, उनका संवर्धन करना और उसको आगे बढ़ाने की प्रक्रिया इसी का हिस्सा है। यह कार्य 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधकर विश्व मानवता के लिए फिर से भारत के संदेश को दुनिया में पहुंचाना, भारत का उद्देश्य है। इसके लिए हमें उस प्रकार के वातावरण के साथ अपने आप को जोड़ना होगा।

मुख्यमंत्री जी के सशक्त नेतृत्व में उ0प्र0 ने अपनी पहचान बदली : रक्षामंत्री

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा केन्द्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री श्री एच0डी0 कुमारस्वामी जी ने 09 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ के सरोजनी नगर इंडस्ट्रियल एरिया में अशोक लेलैंड के नवीन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया।

रक्षा मंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सशक्त नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने अपनी पहचान बदली है। आज यह प्रदेश विकास का पर्याय बन चुका है। रक्षा मंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में वर्ल्ड क्लास ग्रीन फील्ड इंटीग्रेटेड कॉमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन सम्पूर्ण प्रदेश के लिए सुखद क्षण है। इस आधुनिक फैसिलिटी की शुरुआत प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में विगत माह राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन हुआ। आज प्रदेश में नित नये उद्योग स्थापित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश के विकास में बढ़ चढ़कर अपना मेजर कन्ट्रीब्यूशन दे रहा है। इससे बड़ा अचीवमेण्ट इस स्टेट के लिए और क्या हो सकता है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में देश की सुरक्षा से जुड़े काम भी शुरू हो चुके हैं। यहाँ बनाये गये डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से सम्बन्धित सामान बनेगा। बड़ी-बड़ी कम्पनियाँ यहां अपने कारखाने लगा रही हैं, जिससे गाँव के लोगों को यहीं पर रोजगार मिलेगा। लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्ट्री भी स्थापित की गयी है, जो ब्रह्मोस मिसाइल बना रही है। जिसका करिश्मा आप लोगों ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान देखा होगा। अब यह मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती है। हमारे अपने देश में और अपने उत्तर प्रदेश में ही बनती है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्ट्री स्थापितकरने में मुख्यमंत्री जी की पहल व सहयोग सराहनीय है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि अब भारत अपने हथियार खुद बना रहा है। उत्तर प्रदेश भी इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने विकास के इस काम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए 'उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस यूनिट एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट प्रमोशन' पॉलिसी बनाई है। प्रदेश सरकार 'ग्लोबल-500 एण्ड फॉर्च्यून इण्डिया-500 कम्पनी इन्वेस्टमेण्ट प्रमोशन पॉलिसी-2023' भी लेकर आयी है, ताकि यहाँ इन्वेस्टमेण्ट तथा औद्योगिक विकास बढ़ सके।

उ0प्र0 सम्भावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन चुका मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का समारोह प्रदेश के प्रति उद्योगपतियों के बढ़ते हुए विश्वास का प्रतीक है। इस इण्टीग्रेटेड पैसेज एण्ड बस मैन्युफैक्चरिंग प्लाण्ट में 2,500 यूनिट प्रतिवर्ष की क्षमता है, जिसे चरणबद्ध ढंग से 5,000 यूनिट प्रतिवर्ष तक बढ़ाया जाना है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रतिबद्धता और हम सभी के दृढ़ विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश असीमित सम्भावनाओं का ही नहीं, बल्कि सम्भावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन चुका है। पिछले साढ़े 08 वर्षों में हुए बड़े परिवर्तन इसका उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। आज प्रदेश के समस्त जनपदों में भारी पैमाने पर निवेश हो रहा है। यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। देश के एक्सप्रेस-वे का 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे आज उत्तर प्रदेश के पास है। प्रदेश के सर्वाधिक शहरों में मेट्रो का संचालन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में हो रहा है। सर्वाधिक शहरों में मेट्रो का संचालन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में हो रहा है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क प्रदेश में है। देश में बनने वाले दो डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर प्रदेश से होकर निकल रहे हैं। इस फ्रेट कॉरीडोर पर प्रदेश का लॉजिस्टिक टर्मिनल और लॉजिस्टिक्स एण्ड ट्रांसपोर्ट हब विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में देश की पहली रैपिड रेल और पहला वाटर-वे संचालित हो चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में अब उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं, बल्कि उत्सव का प्रदेश बन चुका है। विगत 05 वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्वयं को स्थापित कर चुका है। दृढ़ निश्चय, साफ नीयत से लिए गए फैसलों तथा स्पष्ट सोच से आज फियरलेस बिजनेस, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस नए उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुके हैं। अब यहाँ कोई निवेशक पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं होता। प्रदेश में 34 सेक्टोरियल पॉलिसी हैं, जिनके माध्यम से कोई भी निवेशक विभिन्न सेक्टरों में निवेश कर प्रदेश की विकास यात्रा में अपना योगदान दे सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अशोक लेलैण्ड का यह मैन्युफैक्चरिंग प्लाण्ट प्रदेश के लिए एफ0डी0आई0 और फॉर्च्यून-500 पॉलिसी का हिस्सा है। वर्ष 2017 से पूर्व एफ0डी0आई0 में यू0पी0 का अंश बहुत कम था। आज प्रदेश ने अपनी पॉलिसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर एफ0डी0आई0 और फॉर्च्यून-500 को आकर्षित किया है। इस प्लांट के लिए सितम्बर, 2023 में एम0ओ0यू0 हुआ, जनवरी, 2024 में एल0ओ0आई0 तथा भूमि स्थानान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न हुई। केवल 18 महीनों में एक विश्व स्तरीय प्लाण्ट निर्मित होकर प्रदेश को समर्पित किया जा रहा है। यह डबल इंजन सरकार की फास्ट ट्रैक अप्रूवल प्रणाली और सुशासन का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा किइलेक्ट्रिक व्हीकल का यह सेक्टर नई स्किल, नई टेक्नोलॉजी और नये भविष्य के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आई0टी0आई0, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग संस्थान स्वयं को इलेक्ट्रिक व्हीकल की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। देश का सबसे अधिक श्रम शक्ति रखने वाला उत्तर प्रदेश इस तकनीक के माध्यम से ट्रस्ट एण्ड ट्रांसपोर्टेशन की नई भूमिका के रूप में स्वयं को स्थापित करेगा।

सही दिशा, भरोसे और समावेशन के साथ ए0आई0 स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सटीक और न्याय संगत तरीके से आगे बढ़ा सकता है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 12 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश : ए0आई0 एण्ड हेल्थ इनोवेशन कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित हुए।कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विजनरी लीडरशिप में ए0आई0 इम्पैक्ट समिट-2026 कार्यक्रम के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश ए0आई0 इन हेल्थ केयर से सम्बन्धित इस कॉन्फ्रेंस को लीड कर रहा है। हमें हेल्थ केयर में ए0आई0 का उपयोग करके इस प्रकार कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाना होगा, ताकि इस तकनीक का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि प्रधानमंत्री जी के विजन को प्रभावी ढंग से बढ़ाने के लिए लगभग 02 हजार करोड़ रुपये के यू0पी0 ए0आई0 मिशन को अगले तीन वर्षों में फेज वाइज आगे बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत ने ए0आई0 को जिम्मेदारी व मजबूती के साथ अपनाया है। इसे तेजी के साथ आगे बढ़ाने में भारत एक निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगा। सही दिशा, भरोसे और समावेशन के साथ ए0आई0 स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सटीक और न्याय संगत तरीके से आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि जब तकनीक संवेदना से जुड़ती है, नीति नवाचार से संचालित होती है और शासन विश्वास पर आधारित होता है तो विकास समावेशी बनता है और भविष्य सुरक्षित होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ए0आई0 हमारे लिए सुविधा है। यह हमारे कार्यों को आसान बनाएगा और एक नई ऊंचाई प्रदान करने में योगदान देगा, लेकिन कोई भी तकनीक मानव द्वारा संचालित हो, किन्तु मानव उसके द्वारा संचालित न हो। आज उत्तर प्रदेश ए0आई0, सेमीकण्डक्टर, मेडटेक, डिजिटल इनोवेशन के माध्यम से तकनीक का प्रमुख केन्द्र बनकर उभरा है। ए0आई0 का उपयोग हेल्थ केयर के साथ ही एग्रीकल्चर, एजुकेशन इत्यादि क्षेत्रों में भी बढ़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ए0आई0 का इस्तेमाल रीएक्टिव के स्थान पर प्रोएक्टिव अप्रोच के साथ करना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं में दक्षता के साथ ही बीमारियों का पूर्वानुमान, उसके पैटर्न की पहचान तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में ए0आई0 के बेहतर उपयोग की दिशा में हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। पेशेंट की केस स्टडी के डाटा को सुरक्षित करने, उसका विश्लेषण व उपयोग करने के साथ ही किसी क्षेत्र विशेष में स्पेसिफिक बीमारी से जुड़े मामलों पर फोकस्ड कार्यवाही में भी ए0आई0 का सदुपयोग किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश इस दिशा में वैश्विक शोध, नवाचार और निवेश का अग्रणी केन्द्र बनने की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ा है।

उन्होंने कहा टी0बी0 मुक्त भारत के लिए प्रदेश में टी0बी0 नियंत्रण के लिए ए0आई0 टूल के माध्यम से टी0बी0 रोगियों की पहचान की जा रही है। यह टूल टी0बी0 रोगियों की पहचान करने तथा कमजोर मोहल्लों को इण्डिकेट करने में मदद करेगा। यदि ए0आई0 टूल का इस्तेमाल करते हुए सभी डाटा को एकत्र करें तथा प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ आगे बढ़ें तो अनेक वेक्टरजनित बीमारियों को महामारी के रूप में संकट बनने से पूर्व उपचारित तथा नियंत्रित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार डाटा से फीडबैक लूप बनाकर बेहतर निर्णय, बेहतर नीति और बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। डबल इंजन सरकार आज डबल स्पीड से स्केल से स्किल और स्किल से स्पीड तक की यात्रा के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश के युवाओं की स्किलिंग कार्यक्रम प्रारम्भ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश इस दिशा में एक नई यात्रा के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 07 सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स विकसित हो रहे हैं। प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा पार्क का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ में मेडटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, गौतमबुद्ध नगर में आई0आई0टी0 कानपुर एवं फिक्की द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड इनोवेशन ड्रिवेन आंत्रप्रेन्योरशिप सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण किया जा रहा है। आई0आई0टी0 कानपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में अनेक सहयोगियों तथा फील्ड से जुड़े स्टेक होल्डर्स के साथ कार्यवाही काफी आगे बढ़ चुकी है। प्रदेश में डाटा सेण्टर ईकोसिस्टम का निर्माण तेजी से आगे बढ़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनधन अकाउंट तथा डिजिटल ट्रांजेक्शन ने पूरी प्रक्रिया को सरल बना दिया है। प्रत्येक लाभार्थी को शत-प्रतिशत लाभ कैसे प्राप्त हो सकता है, इसका एक उदाहरण है। अर्थात तकनीक काम को आसान कर देती है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक भी पहुंचाती है। इससे जब अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का विश्वास शासन के प्रति मजबूत होता है, तब विकासपरक योजनाएं तेजी आगे बढ़ती हुई दिखाई देती हैं।

स्वामी विवेकानन्द ने वैश्विक मंच पर भारत की सनातन संस्कृति, उसकी आध्यात्मिक चेतना और बौद्धिक प्रतिभा से परिचित कराने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 12 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ में राष्ट्रीय एवं सामाजिक कार्यों में युवाओं की सहभागिता के उत्सव 'राष्ट्रीय युवा दिवस' कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को राज्य स्तरीय विवेकानंद यूथ अवॉर्ड प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। 'खेलो इण्डिया' योजनान्तर्गत 05 बहुद्देशीय हाल (जनपद लखनऊ में 02 तथा जनपद हरदोई, कन्नौज व सहारनपुर में 01-01) का लोकार्पण तथा जनपद सहारपनुर, कासगंज तथा फतेहपुर में ग्रामीण स्टेडियम के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों की ओर से स्वामी विवेकानन्द जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत के उस युवा संन्यासी ने वैश्विक मंच पर भारत की सनातन संस्कृति और परम्परा को मजबूत करने के साथ भारत और भारतीयता को एक नई पहचान दिलायी थी। स्वामी विवेकानन्द जी ने वैश्विक मंच पर दुनिया की सबसे प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक भारत की सनातन संस्कृति, उसकी आध्यात्मिक चेतना और बौद्धिक प्रतिभा से परिचित कराने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था।स्वामी विवेकानन्द जी की प्रेरणा प्रत्येक भारतीय को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक ओर जहाँ हम सब स्वामी विवेकानन्द जी का स्मरण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आज मां जीजाबाई की भी पावन जयन्ती है। मां जीजाबाई के संस्कारों में छत्रपति शिवाजी महाराज पले बढ़े और उनके सानिध्य व मार्गदर्शन में हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की थी। स्वामी विवेकानन्द उस भारत का प्रतिनिधित्व करते थे, जो अपनी सुप्त चेतना के कारण आत्मबोध लगभग खो चुका था। विदेशी आक्रांता भारत को गुलाम बनाने में सफल हो गए थे। यहां की सभ्यता, संस्कृति व परंपरा को अपमानित किया जा रहा था।स्वामी जी का स्पष्ट संदेश था कि लक्ष्य पर एकाग्रता, संकल्प परदृढ़ता और कर्म में निरन्तरता होनी चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होगा, सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। प्रायः ऐसा होता है कि मन्जिल नजदीक आने पर व्यक्ति लापरवाही या आलस करता है अथवा यह मान लेता है कि सफलता नहीं मिलेगी। लेकिन जब उसके मन

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शिकागो की धर्म सभा में स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था कि मैं भारत की उस परंपरा से आया हूं, जिसने सदैव मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का अटल विश्वास था कि भारत अपने आत्मगौरव, युवा शक्ति और आध्यात्मिक चेतना के बल पर पुनः विश्व गुरु के रूप में स्वयं को स्थापित करेगा। आज उनके विश्वास को हम सभी मूर्त रूप लेते हुए देख रहे हैं। सन् 1947 में देश की आजादी से एक दिन पूर्व देश का दर्दनाक विभाजन हुआ। लाखों की संख्या में कत्लेआम प्रत्येक भारतीय को आहत कर रहा था। आजादी का जश्न प्रत्येक भारतीय नहीं मना पाया था। लेकिन जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरा कर रहा था, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रत्येक भारतीय आजादी के अमृत महोत्सव के साथ जुड़ रहा था। उसका वह जुड़ाव आत्मिक भी था। भले ही प्रत्यक्ष रूप से समारोह में भाग नहीं ले सकता था, लेकिन प्रत्येक भारतीय 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के माध्यम से आयोजन का हिस्सा बना।

'प्रगति' पोर्टल नये भारत की नयी कार्य संस्कृति का उदाहरण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 13 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ में 'प्रगति' (प्रो-एक्टिव गवर्नेन्स एण्ड टाइम्ली इम्प्लीमेण्टेशन) पोर्टल के सम्बन्ध में पत्रकार से वार्ता करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश का नेतृत्व सम्भालने के साथ ही डिजिटल गवर्नेन्स तथा को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म को सशक्त आधार प्रदान किया। 'प्रगति' ने सिद्ध करके दिखाया कि जब इन्टेन्ट, टेक्नोलॉजी और एकाउन्टेबिलिटी एक साथ आते हैं, तो बेहतर परिणाम सुनिश्चित होते हैं। 'प्रगति' पोर्टल केवल देश के बड़े इन्फ्रा प्रोजेक्ट की समीक्षा नहीं, बल्कि नये भारत की नयी कार्य संस्कृति का उदाहरण है। यह गवर्नेन्स का रिफॉर्म है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह मॉडल गेम चेन्जर साबित हुआ है। प्रदेश आज भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री जी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करते हुए अंतर मंत्रालय या अन्तर्विभागीय समन्वय का ऐसा प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जहां सभी समस्याओं के समाधान की दिशा में बेहतर प्रयास किये जा सकें। 'प्रगति' ने आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय जैसे क्षेत्रों में पॉजिटिव गवर्नेंस को नई दिशा दी है। 'प्रगति' ने शासन की फाइल कल्चर से फील्ड रिजल्ट की दिशा में भी क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इसके माध्यम से निर्णय तेज हुए है। समय व लागत की बर्बादी रुकी है। केंद्र व राज्य के मंत्रालयों एवं विभागों में समन्वय मजबूत तथा स्पष्ट जवाबदेही तय हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण सम्बन्धी अनेक प्रोजेक्ट संचालित हो रहे हैं, जो केवल राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की रीढ़ बने हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 'प्रगति' पोर्टल के माध्यम से 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है, जिनमें 377 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा सीधे प्रधानमंत्री जी द्वारा की जाती है। 3,162 में 2,958 मुद्दों का समाधान हुआ है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि गवर्नेन्स की विश्वसनीयता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुल 10 लाख 48 हजार करोड़ रुपये की 330 परियोजनाओं के साथ देश का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो उत्तर प्रदेश के पास है, जिसमें परिवहन, पावर, शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्र सम्मिलित हैं। इनकी समीक्षा पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। इसमें 02 लाख 37 हजार करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (39 प्रतिशत) कमीशन्ड हो चुकी हैं तथा 08 लाख 11 हजार करोड़ रुपये की 202 परियोजनाएं सरकार की मंशानुरूप गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही हैं। सड़क व रेलवे के क्षेत्र में सर्वाधिक प्रोजेक्ट ने उत्तर प्रदेश को ट्रान्सपोर्ट एण्ड लॉजिस्टिक हब बनाने में मदद की है।

उन्होंने बताया कि लगभग 09 वर्षों में प्रदेश को एक्सप्रेस-वे राज्य के रूप में स्थापित करने में सफलता प्राप्त हुई है। प्रदेश में रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क, सबसे अधिक शहरों में मेट्रो व एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल व इनलैण्ड वाटर-वे संचालित हो रहे हैं। यह सभी प्रोजेक्ट समयबद्ध तरीके से इसलिए चले हैं, क्योंकि 'प्रगति' पोर्टल के माध्यम से इनकी लगातार समीक्षा एवं भूमि, पर्यावरण या अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। आज के प्रतिस्पर्धा के युग में यदि कोई राज्य प्रोजेक्ट लाने व एन0ओ0सी0 प्रदान करने में लापरवाही करेगा, तो स्वाभाविक रूप से निवेशकों को जहां आसानी होगी, वहां चला जाएगा। निवेशकों के लिए प्रोजेक्ट्स को निश्चित समयान्तर्गत पूर्ण करना ही प्रगति का आधार है। समस्याओं के निस्तारण की कार्यवाही सुशासन का मॉडल है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 04 लाख 19 हजार करोड़ रुपये के 65 बड़े प्रोजेक्ट 'प्रगति' के अन्तर्गत आते हैं, जिनमें 26 प्रोजेक्ट कमीशन्ड हो गये हैं तथा 39 प्रोजेक्ट निर्माण के अलग-अलग चरणों में चल रहे हैं। 'प्रगति' पोर्टल से इण्टर-एजेन्सी बाधाओं का का प्रभावी समाधान हुआ है। इसके माध्यम से जब समीक्षा होती है, तो अलग-अलग विभाग जैसे राजस्व, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, वन, नगर विकास, पंचायती राज विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग एक साथ बैठते हैं। एक दूसरे के साथ समन्वय बना कर निश्चित समय सीमा में समस्याओं का समाधान करते हैं। इससे स्वीकृतियां तेजी से होती है, परिणामस्वरूप, हाईवे, रेलवे, पावर, टेलीकॉम जैसे प्रोजेक्ट्स में तीव्रता आती है।

उन्होंने बताया 'प्रगति' पोर्टल के माध्यम से कुल 515 में 494 मुद्दों अर्थात् 96 प्रतिशत का समाधान किया गया है। 287 में 278 प्रोजेक्ट्स अर्थात् 97 प्रतिशत का समाधान 'प्रगति' पोर्टल के माध्यम से किया गया है। यह उच्च समाधान के दृष्टिगत प्रशासनिक तत्परता और निर्णायक नेतृत्व की क्षमता को दर्शाता है। जब अलग-अलग विभाग से जुड़े मामले एक प्लेटफॉर्म पर आते हैं और एक-दूसरे के सामने जवाबदेही तय होती है, तो तेजी से मामलों का निस्तारण निश्चित समय सीमा के अंदर करना होता है। टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग और 'प्रगति' जैसे प्लेटफॉर्म पर निरन्तर समीक्षा के परिणामस्वरूप प्रोजेक्ट की दिशा में कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश आज 'बॉटलनेक स्टेट' से 'ब्रेक-थ्रू स्टेट' बन चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रोजेक्ट्स के माध्यम से राज्य फैसेलिटेटर से एक्सेलिरेटर के रूप में आगे बढ़ा है। 'प्रगति' जैसे प्लेटफॉर्म ने टीम इण्डिया स्पिरिट को और अधिक प्रभावी बनाया है।प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप 'प्रगति' पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से आज प्रत्येक प्रोजेक्ट के शिलान्यास के साथ उसके पूर्ण होने की तिथि भी तय हो जाती है।

महोत्सव हमारे सामाजिक तथा व्यापारिक जीवन की विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का एक आधार होते हैं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 13 जनवरी, 2026 को गोरखपुर में चम्पा देवी पार्क, रामगढ़ताल में आयोजित तीन दिवसीय 'गोरखपुर महोत्सव' के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जनपद की 06 विभूतियों को 'गोरखपुर रत्न' से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोरखपुर की पुरातन से आधुनिक समय तक की परम्परा, सभ्यता एवं संस्कृति को लेकर तीन दिनों से 'गोरखपुर महोत्सव' उत्साह व उल्लास के साथ आयोजित हुआ। महोत्सव में कला, संस्कृति, विज्ञान, शिल्पकला जैसे जीवन के प्रत्येक पक्षों का प्रदर्शन किया गया। गोरखपुर की शिल्पकला को भी इस महोत्सव के माध्यम से प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। युवाओं के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इस महोत्सव में ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत व जनपद स्तर पर गायन, वादन, नाटक आदि सहित कला के विविध रूपों में आयोजित प्रतिस्पर्धाओं के विजेता कलाकारों को भी मंच उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। इसमें 'गोरखपुर महोत्सव' काफी सफल रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महोत्सव हमारे सामाजिक तथा व्यापारिक जीवन में हो रहे अच्छे कार्यों तथा युवाओं की प्रतिभा को निखारने का एक मंच होते हैं। यह विरासत के साथ विकास की यात्रा को प्रदर्शित करने का भी एक आधार होते हैं। इस दृष्टि से 'गोरखपुर महोत्सव' सफलतापूर्वक आयोजित हुआ है। खिचड़ी के ठीक पूर्व आयोजित यह महोत्सव उत्साह व उल्लास का एक नया मंच बना है। 03 दिवसीय यह महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहाँ 06 विभूतियों को 'गोरखपुर रत्न' दिया गया है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कुछ नया एवं अलग कार्य करने का प्रयास किया है। 'गोरखपुर रत्न' का सम्मान प्राप्त करने वाली सभी विभूतियाँ बधाई की पात्र हैं। यह सम्मान हमारी वर्तमान पीढ़ी, कलाकारों एवं अन्य लोगों के लिए एक प्रेरणास्रोत है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह समाज से कुछ लेने के बजाय समाज को कुछ देने की सामर्थ्य स्वयं में विकसित करे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर सहित उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलन्दियों को छू रहा है। वर्ष 2017 से पूर्व गोरखपुर विकास की दौड़ में पीछे छूट गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गोरखपुर के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के कायाकल्प अभियान 2017 से पूर्व गोरखपुर विकास की दौड़ में पीछे छूट गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गोरखपुर के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के कायाकल्प अभियान के साथ आगे बढ़ी। आज उसके परिणाम हम सभी को धरातल पर देखने को मिल रहे हैं। आज से 08 से 10 वर्ष पूर्व जो गोरखपुर आया होगा, आज वह इसे पहचान नहीं पाएगा। यह बदलाव केवल गोरखपुर में नहीं, बल्कि गोरखपुर में नहीं, बल्कि हर जनपद में देखने को मिलेगा। अयोध्या, काशी, लखनऊ तथा प्रयागराज में 08 से 10 वर्ष बाद आने वाला प्रत्येक व्यक्ति यहाँ हुए विकास कार्य देखकर आश्चर्य में पड़ जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब सुरक्षा का बेहतर वातावरण होता है, तो निवेश आता है। गोरखपुर में पिछले 08 वर्षों में हजारों करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इसके माध्यम से 50 हजार नौजवानों को रोजगार प्राप्त हुआ है और युवाओं का पलायन रुका है। पहले गोरखपुर में एक विश्वविद्यालय था, आज यहाँ 04 विश्वविद्यालय हैं। गोरखपुर में होटल मैनेजमेंट का भी संस्थान बन गया है। गीडा में नाइलेट का एक नया केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है। सहजनवां में गरीब बच्चों को आवासीय शिक्षा देने के लिए अटल आवासीय विद्यालय बनाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर आज पर्यटन का एक बेहतरीन केन्द्र है। आज गोरखपुर में विकास की प्रत्येक योजना प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचती है। उत्तर प्रदेश ने यह उपलब्धि धैर्य व अनुशासन से हासिल की है। हमारा धैर्य हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जीवन हताशा व निराशा का नाम नहीं है। एक सामान्य भारतीय अपनी मेहनत व पुरुषार्थ से आगे बढ़ता है। यदि कार्य करने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो कोई कार्य असम्भव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में माघ मेला-2026 के आगामी स्नान पर्वों की तैयारियों की समीक्षा की, 'मेला सेवा ऐप' लॉन्च किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद प्रयागराज में 10 जनवरी, 2026 को माघ मेला-2026 के आगामी स्नान पर्वों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री जी ने माघ मेला-2026 के लिए तैयार किए गए 'मेला सेवा ऐप' को लॉन्च किया। इस ऐप के क्यू0आर0 कोड को स्कैन करके श्रद्धालु अपनी जरूरतों व सुझावों का साझा कर सकते हैं।उन्होंने माघ मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को पूरी तत्परता व लगन के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 14 से 18 जनवरी के बीच कम समय में दो महत्वपूर्ण स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए अभी से सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी व तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न करायें। उन्होंने पौष पूर्णिमा स्नान पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए माघ मेले के आयोजन से जुड़े अधिकारियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेले में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रहे। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए घाटों के स्नान क्षेत्र व सर्कुलेटिंग एरिया को और बढ़ाया जाये, ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ स्नान कर सकें तथा उन्हें स्नान करने में कोई समस्या न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्य स्नान पर्वों पर संगम नोज पर अत्यधिक दबाव रहेगा, जिसके दृष्टिगत पहले से ही सभी आवश्यक प्रबन्ध कर लिए जाएं। कोई भी श्रद्धालु कपड़े, प्लास्टिक थैली अथवा पूजा सामग्री गंगा जी में न फेंके तथा स्नान के समय साबुन इत्यादि का इस्तेमाल न करे, जिससे जल की स्वच्छता बनी रहे और सभी स्नानार्थी स्वच्छ एवं निर्मल जल में आस्था की पावन डुबकी लगा सकें।

मुख्यमंत्री जी ने ठण्ड के मौसम के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में अलाव की व्यवस्था तथा जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करने के निर्देश दिए। मेले में आने वाले संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के साथ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी अच्छा व्यवहार करें। किसी भी दशा में रोड पर अतिक्रमण न होने पाये। रोड व पाथ-वे को खुला रखा जाए, जिससे माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री जी ने मुख्य स्नान पर्वों के दृष्टिगत बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक भीड़ का दबाव होने पर सीमावर्ती जनपदों में होल्डिंग एरिया में उनके ठहरने के प्रबन्ध किए जाएं। सभी सम्बन्धित अधिकारी प्रमुख स्नान पर्वों पर मेले की मॉनीटरिंग करें तथा पुलिस विभाग श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु नियमित रूप से पेट्रोलिंग करे। मेले में कहीं पर भी मादक पदार्थों की बिक्री न होने पाए तथा कोई भी अराजक तत्व मेले में अराजकता न फैलाने पाए, इस पर पुलिस विभाग निरन्तर कड़ी निगरानी रखे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माघ मेले से जुड़े स्वच्छाग्रहियों के मानदेय का समय से भुगतान तथा उन्हें अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। साथ ही, उनके बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने अनावश्यक एवं अवैध रूप से लगी होर्डिंगों को हटाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संत-महात्माओं द्वारा जगद्गुरु रामानन्दाचार्य जी का स्मारक बनाये जाने का अनुरोध किया गया है। प्रयागराज अनेक ऋषियों, मुनियों, महात्माओं की धरती है। मुख्यमंत्री जी ने बैठक में जगद्गुरु रामानन्दाचार्य जी का भव्य स्मारक बनाये जाने हेतु प्रशासन को जमीन चिन्हीकरण सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री जी को अपने प्रस्तावों व सुझावों से अवगत कराया। मण्डलायुक्त प्रयागराज ने मुख्यमंत्री जी को माघ मेले के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

झलकियां

माघ मेला 2026 प्रयागराज

गोरखपुर महोत्सव